29. पुस्तकालय

पुस्तकालय : पुस्तक + आलय = पुस्तकालय, अर्थात् पुस्तक का घर। जहाँ विभिन्न प्रकार की पुस्तकें होती हैं और जिनका अध्ययन स्वतंत्ररूप से किया जाता हैं। पुस्तकाल यह ज्ञान और अध्ययन का एक बड़ा केन्द्र होता हैं।

पुस्तकालय से अनेक लाभ होते है । यहाँ अनेक पुस्तकें उपलब्ध होती हैं । जिन्हें खरीदा नहीं जा सकता या जो अब अप्राप्त हैं । ज्ञान के भण्डार प्राचीन ग्रन्थ भी इन पुस्तकालयों में विद्यामान होते हैं । पुस्तकालय में समय का सदुपयोग होता है ।

निर्धन विद्यार्थियों तथा व्यक्तियों के लिए तो पुस्तकालय वरदान - स्वरूप है । आर्थिक स्थिति के कारण वे पुस्तकें खरीद नहीं सकते तो क्या हुआ पुस्तकालयों में जाकर वे पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं तथा प्रयोग करके वापस कर सकते हैं। किसी विषय का उच्च तथा विशेष अध्ययन करने के लिए अनेक प्रकार की पुस्तकों को पढ़ना ज़रूरी है क्योंकि वहाँ एक ही विषय पर अनेक विद्धानों की लिखी पुस्तकें उपलब्ध होती है । पुस्तकालय में देश विदेश के समाचार, पत्र-पत्रिकाएँ आदि भी हैं जिनसे ज्ञानवर्धन होता है ।